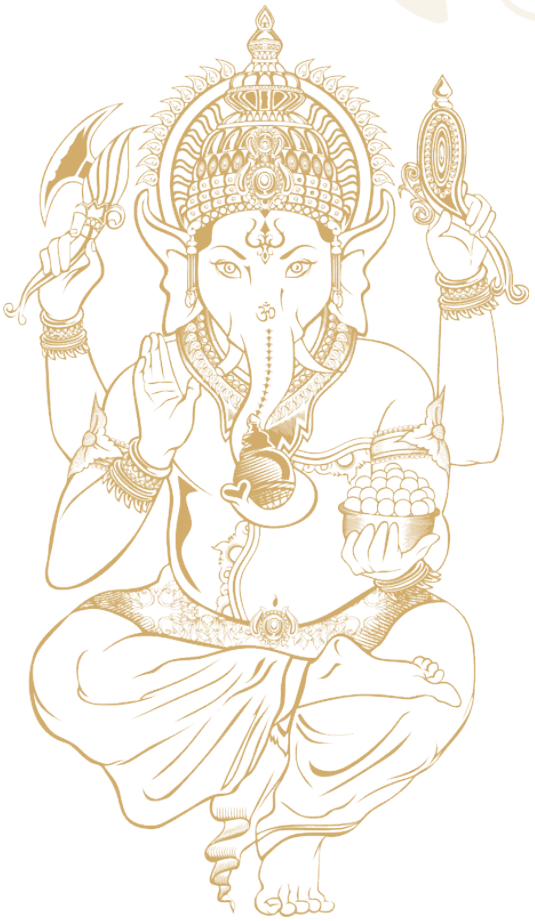

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/02/2026	जन्म तिथि	20-21/02/2026
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 01:41:00	जन्म समय	01:41:00 घंटे
घटी 46:53:45	जन्म समय(घटी)	46:53:45 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:29	सूर्योदय	06:55:29
18:14:38	सूर्यास्त	18:14:38
24:13:27	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:27

विंशोत्तरी बुध 12वर्ष 10मा 26दि बुध 21/02/2026 17/01/2039		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 12वर्ष 10मा 26दि बुध 21/02/2026 17/01/2039
	00/00/0000	15:29:00	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	15:29:00	00/00/0000
	21/02/2026	07:58:29	कुंभ	सूर्य	कुंभ	07:58:29	21/02/2026
शुक्र	12/04/2028	19:52:43	मीन	चंद्र	मीन	19:52:43	शुक्र 12/04/2028
सूर्य	16/02/2029	28:05:29	मक	मंगल	मक	28:05:29	सूर्य 16/02/2029
चन्द्र	18/07/2030	25:57:50	कुंभ	बुध	कुंभ	25:57:50	चन्द्र 18/07/2030
मंगल	16/07/2031	21:24:30	मिथु व	गुरु व	मिथु	21:24:30	मंगल 16/07/2031
राहु	01/02/2034	18:48:20	कुंभ	शुक्र	कुंभ	18:48:20	राहु 01/02/2034
गुरु	09/05/2036	06:32:00	मीन	शनि	मीन	06:32:00	गुरु 09/05/2036
शनि	17/01/2039	10:04:49	मक	प्लूटो	मक	10:04:49	शनि 17/01/2039

लग्न-चलित

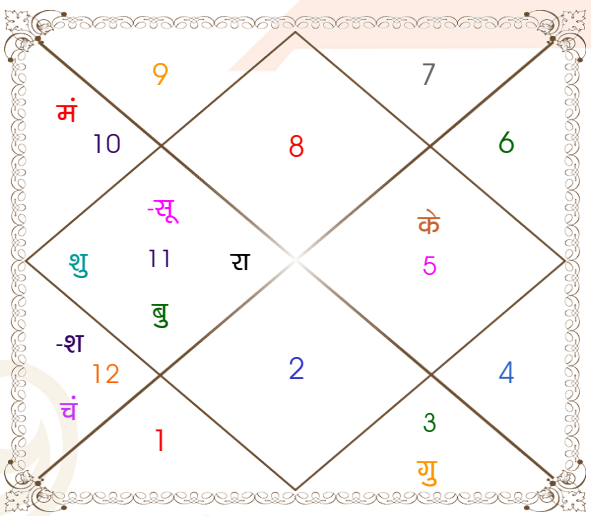

लग्न-चलित

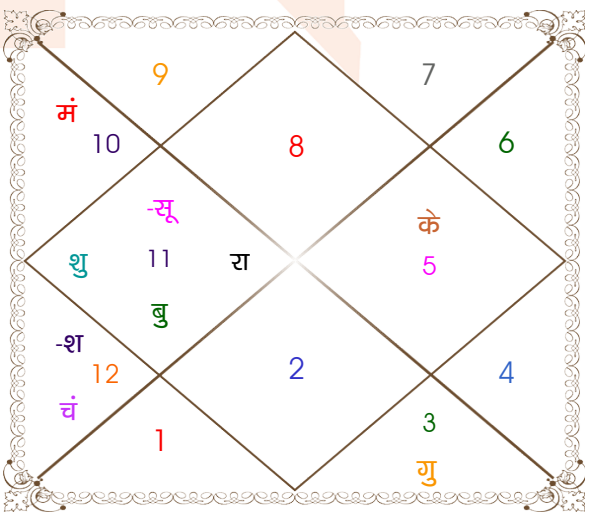

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रेवती है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।